भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.07.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1839 का उत्तर

राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर्स राजस्व

1839. श्रीमती अपरूपा पोद्दार:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:
श्री रमेश बिन्द:
श्री राजेन्द्र धेड़या गावित:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर को लाभदायक बनाने के लिए इसके राजस्व को वर्ष 2025 तक दोगुना कर 4 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान रेलवे द्वारा कुल निवेश 9 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा ईंधन बिल में लगभग 15,000 करोड़ रुपए की बचत के लिए संपूर्ण विद्युतीकरण की योजना बनाई गई थी; और

(ङ) यदि हां, तो रेलवे अवसंरचना, विशेष रूप से ऐसी रेल पटरियां जो क्षतिग्रस्त हैं और नियमित उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाई गई हैं, के उन्नयन के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या प्रगति हासिल हुई है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर्स राजस्व के संबंध में 27.07.2022 को लोक सभा में श्रीमती अपरूपा पोद्दार, श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल, श्री रमेश बिन्द और श्री राजेन्द्र धेड़या गावित के अतारांकित प्रश्न सं. 1839 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेलवे का वर्ष-दर-वर्ष वृद्धिशील राजस्व प्राप्तियों को प्राप्त करने का सतत् प्रयास रहता है। इस प्रक्रिया में, रेलवे ने 2022-23 के बजट अनुमान में 2,40,000 करोड़ के कुल राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा है। वृद्धिशील राजस्व उच्च यातायात थ्रूपुट और दर एवं गैर-दर उपायों के मिश्रण के जरिए हासिल करने का प्रयास किया जाता है।

(ग) हाल के वर्षों में रेलवे के निवेश में स्पष्ट रूप से वृद्धि हुई है जो 2014-15 में 58,718 करोड़ रु. से बढ़कर 2021-22 में 1,90,266 करोड़ रु. हो गई है। रेलवे की 2022-23 में 2,45,800 करोड़ रु. निवेश करने की योजना है। राष्ट्रीय विनिवेश पाईपलाइन के तहत 2019 से 2025 के बीच लगभग 13 लाख करोड़ रु. निवेश करने का प्रस्ताव है।

(घ) ईंधन बिल में वार्षिक बचत डीजल/बिजली की कीमत और सकल टन किलोमीटर (जीटीकेएम) के अनुसार अवधि ढ़ोए गए यातायात के संबंध में बदलते रहती है।

(ड़): रेलपथ नवीकरण कार्यों के जरिए रेलपथों को बदला जाता है जो सतत् प्रक्रिया है। जब कभी रेलपथ के किसी भाग का आयु/स्थिति के आधार पर नवीकरण करना आवश्यक होता है, रेलपथ नवीकरण कार्य के माध्यम से उन्हें बदल दिया जाता है। रेलपथ नवीकरण कार्यों की योजना प्रतिवर्ष अग्रिम रूप से बनाई जाती है और रेलपथ की स्थिति के अनुसार इनके निष्पादन की प्राथमिकता निर्धारित की जाती है।

विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारतीय रेल पर रेलपथ नवीकरण की प्रगति निम्नानुसार है:-

वर्ष	प्रगति (रेलपथ किमी)
2019-20	4500
2020-21	4363
2021-22	4275
2022-23 (जून 2022 तक)	1053

इस संबंध में रेलवे द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम निम्नानुसार हैं:

- **प्राथमिक रेलपथ नवीकरण करते समय प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) से युक्त आधुनिक रेलपथ संरचना, इलास्टिक फास्टनिंग वाले सामान्य/चौड़े आधार के स्लीपर, 60 किग्रा, 90 या उच्चतर अल्टीमेट टेंसिल शक्ति (यूटीएस) की पटरियां, पीएससी स्लीपरों पर पंखे के आकार के लेआउट टर्नआउट, गर्डर पुलों पर स्टील चैनल स्लीपरों का उपयोग किया जाता है।**
- **रेलपथ में एल्यूमिनों थर्मिट ज्वाइंटों की संख्या को कम करने के लिए इस्पात में 260मी/130 मी लंबाई के लंबे रेल पैनलों का विनिर्माण किया जा रहा है।**
- **भारतीय रेल के सभी महत्वपूर्ण मार्गों पर थिक वेब स्विचों (टीडब्ल्यूएस) का उपयोग।**
- **वेल्डेबल कास्ट मैगनीज़ स्टील (सीएमएस) क्रासिंगों का उपयोग।**
- **रेलपथ मशीनों की मदद से रेलपथ का अनुरक्षण।**

*****